

स्वास्थ्य विभाग

दिनांक 17 जनवरी, 2003

संख्या 21/9/2002-3 एच0 बी0-II.—हरियाणा शरीर रचना विज्ञान अधिनियम, 1974 (1974 का हरियाणा अधिनियम 24) की धारा 10 की उप धारा (2) के साथ पठित उप धारा (1) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, अदावाकृत शवों तथा उनसे आनपंगिक मामलों संरक्षण तथा निपटान की शर्तों को विनियमित करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

संक्षिप्त नाम

1. ये नियम हरियाणा शरीर रचना विज्ञान नियम, 2002, कहे जा सकते हैं।

परिभाषाएँ

2. इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “अधिनियम” से अभिप्राय है, हरियाणा शरीर रचना-विज्ञान अधिनियम, 1974 (1974 का हरियाणा अधिनियम 24) ;
- (ख) “समुचित” प्राधिकारी से अभिप्राय है, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ जो स्वास्थ्य विभाग का अध्यक्ष हो ;
- (ग) “धारा” से अभिप्राय अधिनियम की धारा ;
- (घ) “ग्राम अधिकारी” से अभिप्राय है, स्थानीय प्राधिकरण का कोई भी अधिकारी या सम्बद्ध गांव का सरपंच ;
- (ङ) इन नियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों तथा अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो उन्हें क्रमशः अधिनियम में दिया गया है।

शव का दावा करने के लिये अवधि। धारा 2(ड) तथा 10(2)।

3. उस मृत व्यक्ति को जिसके निकट नातेदार न हों, अदावाकृत माना जायेगा यदि उसका दावा उसके निकट सम्बन्धी द्वारा मृत्यु के चौबीस घण्टे की अवधि के भीतर नहीं किया गया है।

प्राधिकृत अधिकारी को मृत्यु की सूचना। धारा 7 तथा 10 (1)।

4. (1) पुलिस विभाग या जन स्वास्थ्य विभाग के किसी अधिकारी या स्थानीय प्राधिकरण के कार्यालय के नियोजन में किसी अधिकारी या किसी ग्रामीण अधिकारी, हैडमैन (चौकीदार) जिसको किसी व्यक्ति की मृत्यु का पता लगता है, ऐसे क्षेत्र के सार्वजनिक स्थान पर जिसमें उसका निवास का स्थान न हो वह उस क्षेत्र के प्राधिकृत अधिकारी को बिना किसी देरी के इस तथ्य की रिपोर्ट देगा। अदावाकृत शव की पुष्टि सिविल सर्जन/चिकित्सा अधीक्षक/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधिकारी प्रभारी द्वारा की जाएगी।

- (2) पूर्वगामी उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना शव को अनुमोदित संस्थान में भेजने का प्रबन्ध करने हेतु तथ्यों की रिपोर्ट प्राधिकृत अधिकारी को तुरन्त देने की जिम्मेदारी उस क्षेत्र की अधिकारिता रखने वाले पुलिस स्टेशन के प्रभारी या उस क्षेत्र के गांव के हैडमैन (चौकीदार) जैसी भी स्थिति हो, की होगी तथा वह शव को सड़ने से बचाने के लिये नजदीकी शिक्षण चिकित्सा संस्थान के मुर्दाघर में भेज देगा जहां उस शव के संरक्षण के लिए व्यवस्था हो।

जब किसी व्यक्ति या रोगी की अस्पताल या जेल में मृत्यु हो जाती है तो उस अस्पताल या कारागार का भारसाधक प्राधिकारी उस मृतक व्यक्ति या रोगी या कैदी के रिकार्ड में वर्णित निकट नातेदार को तथ्यों की तुरन्त रिपोर्ट देगा।

अदावाकृत शवों का संरक्षण। धारा 10 (1)।

5. अनुमोदित संस्थान में प्राप्त सभी शव शीत भण्डार मुर्दाघर में तब तक रखे जायेंगे जब तक उन्हें ऐसे संस्थान के शरीर-रचना विभाग में नहीं भेज दिया जाता। शरीर-रचना विभाग (एनाटमी) में इन्हें उपयुक्त अवस्था में उस विभाग के भारसाधक प्राधिकारी के विवेक पर तब तक रखे जायेंगे जब तक उन्हें धारा 5 की उप धारा (1) में निर्दिष्ट प्रयोजनार्थ या जब तक उनका कोई दावा नहीं कर देता, जैसी भी स्थिति हो।

विघटित शवों का निपटान। धारा (1)।

6. वे विघटित शव जो धारा 5 की उप धारा (1) में दर्शाये प्रयोजनों के लिए, जो कोई भी हो, जिनका प्रयोग नहीं किया जा सकता उन्हें निपटान के लिये प्राधिकृत अधिकारी को वापस भेज दिये जायेंगे।

अवधि जिसके भीतर शवों का दावा किया जा सकता है। धारा 2 (ड) तथा 10(2)।

7. अनुमोदित संस्थान को सौंपे गए शव का दावा मृतक के निकट नातेदार द्वारा उसकी मृत्यु के 96 घण्टे की अवधि के भीतर किया जा

सकता है। यदि शव का दावा 24 घण्टे की अवधि के भीतर किया गया हो तो उसके निकट नातेदार से कोई प्रभार नहीं लिया जायेगा। यदि मृत्यु के 24 घण्टे की समाप्ति के बाद दावा किया जाता है तो निकट नातेदार को शव संरक्षण प्रभार के लिए 2,000/- रुपये देने होंगे।

प्राधिकृत अधिकारी की शक्ति। धारा 3 तथा 10(1)।

8. प्राधिकृत अधिकारी किसी संदेह को स्पष्ट करने अथवा किसी विवाद का निपटान करने के प्रयोजन के लिए, कि क्या कोई व्यक्ति मृतक का निकट नातेदार है, एक समीक्षा जांच करेगा। ऐसे प्राधिकृत अधिकारी को गवाहों के मौखिक साक्ष्य दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है किन्तु वह साक्ष्य के ज्ञापन तथा प्रतिवेदनों की एक सूची तथा प्रतिवेदनों, यदि कोई हों, तैयार करेगा, जिनके आधार पर वह निष्कर्ष पर पहुंचेगा।

मृत व्यक्ति से सम्बन्धित वस्तुओं का निपटान।

9. अदावाकृत शव से सम्बन्धित वस्तुओं का निपटान प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

नियमों का अध्यारोही प्रभाव। धारा 10(1)।

10. इन नियमों में दी गई कोई बात ऐसे मामलों को जहां मृत्यु संदेहास्पद परिस्थितियों में हुई हो तथा शव चिकित्सा विधिक परीक्षण के लिए अपेक्षित है, लागू नहीं होगी। ऐसे मामलों में यदि पुलिस स्वयं इनका कब्जा नहीं लेती है तो शव पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

निरसन तथा व्यावृत्ति।

11. हरियाणा राज्यार्थ पंजाब शरीर रचना नियम, 1966 इसके द्वारा निरसित किए जाते हैं :

परन्तु इस प्रकार से निरस्त नियम के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जाएगी।

भगवती प्रसाद,
वित्तियुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
स्वास्थ्य विभाग।

HEALTH DEPARTMENT

The 17th January, 2003

No. 21/9/2002-3HBII.—In exercise of the powers conferred by Section (1) read with Sub-section (2) of Section 10 of the Haryana Anatomy Act, 1974 (Act 24 of 1974), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the conditions for preservation and disposal of unclaimed bodies and matters incidental thereto, namely :—

Short Title.

1. These rules may be called the Haryana Anatomy Rules, 2002.

Definitions.

2. In these rules, unless the context otherwise requires,

- “Act” means the Haryana Anatomy Act, 1974. (Haryana Act 24 of 1974);
- “appropriate authority” means the Director General Health Services being the Head of the Health Department.
- “section” means a section of the Act;
- “village officer” means the officer of local authority or Sarpanch of concerned village;
- “words and expressions” used in these rules but not defined shall have the same meaning as respectively assigned in the Act;

Period for claiming dead body. Sections 2(e) and 10(2).

3. The body of a deceased person who has no near relative shall be considered to be unclaimed if the same is not claimed by any of his near relatives within a period of twenty-four hours of the death.

Information of death to authorized officer. Sections 7 and 10(1).

4. (1) Any officer of the department of police (Ilaka Incharge) or any officer of local authority (Sarpanch of the concerned village) or any village officer, village heads man (Chowkidar) who comes to know of the death of any person, in any public place in an area in which he had no permanent place of residence, shall report the fact to the authorized officer of that area without any further delay. Confirmation of unclaimed body shall be made by Civil Surgeon/Medical Superintendent/Senior Medical Officer/Medical Officer In-charge.

(2) Without prejudice to the generality of the foregoing provisions, of the said act, the responsibility for immediately reporting the fact to the authorized officer in making arrangements for the removal of the dead body to the approved institutions shall be of the officer-in-charge of the Police Station having jurisdiction over the area or the village headman of the area, as the case may be, and in the meanwhile to prevent decay, he will send the dead body to the mortuary of the nearest teaching medical institute where arrangements for its preservation are available.

(3) When a person or patient dies in a hospital or in a prison the authority in-charge of such hospital or prison shall immediately report the fact the nearest relative mentioned in the records of the deceased person or of the patient or of the prisoner.

Preservation of unclaimed dead bodies. Section 10(1).

5. All the dead bodies received in an approved institution shall be kept in the cold storage mortuary until they are removed to the anatomy department of such institution. In the anatomy department, these shall be kept under suitable conditions at the discretion of the officer-in-charge of that department till these are put to any purpose specified in sub-section (1) of section (5) or till these are claimed, as the case may be.

Disposal of decomposed bodies penalties. Section 10(1).

6. Decomposed bodies which cannot be used for any purpose whatsoever mentioned in sub-section (1) of Section 5 shall be returned to the authorized officer for such disposal.

Period within which dead bodies may be claimed. Sections 2(e) and 10(2).

7. A dead body handed over to an approved institution may be claimed by a near relative of the deceased within a period of ninety-six hours of the death. No charges shall be payable by the near relative if the body is claimed within a period of twenty-four hours of the death. If the claim is made after the expiry of twenty-four hours after death, the near relative shall have to pay two thousand rupees towards preservation charges of dead body.

Power of authorized officer. Section 3 and 10(1).

8. The authorized officer shall, for the purpose of clearing any doubt or setting any dispute whether a person is a near relative of the deceased, hold a summary inquiry. Such authorized officer need not record the oral evidence of witnesses but he shall maintain a memorandum of evidence and a list of representations and counter representations, if any, on the basis of which he arrives at the conclusion.

Disposal of belongings of the deceased. Sections 3 and 10(1).

9. The belongings of the unclaimed body shall be disposed of by the authorized officer.

Over riding effect of rules. Section 10(1).

10. Nothing contained in these rules shall apply to cases where death has taken place under suspicious circumstances and the body is required for medico legal examination. In such cases if the police have not taken possession of it themselves, the body shall be handed over to the police.

Repeal and savings.

11. The Punjab Anatomy Rules, 1966 in their application to the State of Haryana, are hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed, shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

BHAGWATI PARSHAD,
Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Health Department.

शक्ति विभाग

दिनांक 2 जनवरी, 2003

संख्या 20/7/2002-5P.—चूंकि, हरियाणा सरकार के राज्यपाल की संतुष्टि हो चुकी है कि निम्न तालिका में दर्शित क्षेत्र में सरकार द्वारा अंशतः सरकार एवं अंशतः हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के खर्चे पर, सार्वजनिक प्रयोजन नामतः 66 के0वी0 सब स्टेशन तलाकौर पहुँचायक रोड के निर्माण हेतु भूमि अभिग्रहण की जानी अपेक्षित है और जिसके लिए भूमि अभिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 4 के अन्तर्गत हरियाणा सरकार, शक्ति विभाग की अधिसूचना संख्या 20/7/2002-5P, दिनांक 18 अक्टूबर, 2002 प्रकाशित होकर जारी हो चुकी है, अतः एतद्द्वारा घोषित किया जाता है कि निम्न तालिका में दर्शित भूमि की आवश्यकता है।

यह अधिसूचना भूमि अभिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 6 के प्रावधानों के अन्तर्गत उन सभी व्यक्तियों की सूचना हेतु जारी की जाती है जो इससे सम्बन्धित हों।

भूमि के नक्शों का निरीक्षण, भूमि अभिग्रहण समाहर्ता, लोक निर्माण (शक्ति) विभाग हरियाणा, अम्बाला शहर के कार्यालय में किया जा सकता है।

हरियाणा के राज्यपाल, भूमि अभिग्रहण अधिनियम, 1894 की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भूमि अभिग्रहण समाहर्ता, लोक निर्माण (शक्ति) विभाग, हरियाणा, अम्बाला शहर को निम्न तालिका में दर्शित भूमि के अभिग्रहण हेतु आदेश के लिए निदेशित करते हैं।

तालिका

जिला	तहसील	परिक्षेत्र/गांव व हदबस्त नं०	क्षेत्रफल	क्षेत्र का विवरण				
				मुरब्बा नं०	खसरा नं०	कनाल	मरला	
1	2	3	4	5				
यमुनानगर	जगाधरी	सबीलपुर जाटान 360	0.3 एकड़	2	10/2 मिन	0	18	
					11/1 मिन	0	8	
					11/2मिन	0	5	
					20 मिन	0	16	
					21/1 मिन	0	1	
						कुल :	2	8

POWER DEPARTMENT

Declaration

The 2nd January, 2003

No. 20/7/2002-5 Power.— Whereas, the Governor of Haryana is satisfied that the land in the locality specified below is needed urgently by the Government, partly at public expenses and partly at the expenses of Haryana Vidyut Prasaran Nigam Limited. For a public purpose, namely, for the construction of an approach road to 66 KV. S/Stn., Talakaur, for which a notification has been issued under Section 4 and published *vide* Haryana Government Power Department Notification No. 20/7/2002-5P, dated 18th October, 2002 in Haryana Government Gazette, dated 18th October, 2002.

It is, hereby declared that the land described in specification below is needed urgently for the above purpose.

This declaration is made under the provisions of Section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, for the information of all to whom it may concern.

Plans of the land may be inspected in the Office of the Land Acquisition Collector Public Works Department (Power), Haryana, Treasury Road, Ambala City.

Further, in exercise of the powers conferred by Section 7 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor of Haryana hereby directs the Land Acquisition Collector, Public Works Department (Power), Haryana, Ambala City to take order for the acquisition of land described in the specification below :

Specification

District	Tehsil	Locality/ Village and Hadbast No.	Area in acres	Description of area			
				Rect. No.	Khasra No.	Kanal	Marla
1	2	3	4	5			
Yamuna Nagar	Jagadhri	Subilpur Jatan 360	0.3 acres	2	10/2 min	0	18
					11/1 min	0	8
					11/2 min	0	5
					20 min	0	16
					21/1 min	0	1
Total :					2	8	

लोक निर्माण विभाग

(भवन तथा सड़क शाखा)

जीन्द वृत्त, जीन्द

दिनांक 14 जनवरी, 2003

क्रमांक 880.—चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल यह अनुभव करते हैं कि भूमि सरकार द्वारा सार्वजनिक खर्च पर किसी सार्वजनिक प्रयोजन नामतः जिला जीन्द में अलेवा से राजौन्द सड़क के निर्माण के लिए अपेक्षित है, एतद्वारा घोषित किया जाता है कि नीचे विशिष्ट विवरण में वर्णित भूमि उपरोक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

यह घोषणा, 1894 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन उन सबके लिए है जिनसे यह सम्बन्धित हो और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन/भूमि अधिग्रहण कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग (भवन तथा मार्ग शाखा), हिसार की एतद् उक्त भूमि अधिग्रहण करने का आदेश लेने के लिए निर्देश दिया जाता है।

भूमि के नक्शे को भूमि अभिग्रहण कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग (भवन तथा मार्ग शाखा), हिसार और कार्यकारी अभियन्ता, प्रांतीय मण्डल, लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क शाखा), जीन्द के कार्यालयों में देखा जा सकता है।

विशिष्ट विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/हदबस्त नम्बर	क्षेत्रफल एकड़ों में	मुस्तली नं०/किला नं०
1	2	3	4	5
जीन्द	जीन्द	अलेवा हदबस्त नं० 86	1.83	51 12, 13, 18, 19, 22, 23 67 4, 7, 14, 17, 23/1, 23/2, 24 85 3/1, 4, 7/1 367, 368
कुल जोड़ : 1.83 एकड़				

(हस्ता.) . . .

अधीक्षक अभियन्ता,

जीन्द वृत्त, लोक निर्माण विभाग (म० तथा स० शाखा), जीन्द।

**PUBLIC WORKS DEPARTMENT
(BUILDING & ROADS BRANCH)
JIND CIRCLE, JIND**

The 14th January, 2003

No. 880.— Whereas, the Governor of Haryana is satisfied that land below is needed by the Government at public expense, for a public purpose namely constructing Road from Alewa to Rajound Road in Jind District. It is, therefore, hereby declared that the land described in specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of Section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of Section 7 of the said Act, Land Acquisition Collector, PWD B & R Branch, for Hisar is hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

Plans of land may be inspected in the Office of the Land Acquisition Collector PWD B & R, Hisar and Executive Engineer, Provincial/PWD B & R, Jind.

Specification

District	Tehsil	Locality Village and Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Kila No.
1	2	3	4	5
Jind	Jind	Alewa H.B. No. 86	1.83	51 12, 13, 18, 19, 22, 23 67 4, 7, 14, 17, 23/1, 23/2, 24 85 3/1, 4, 7/1 367, 368
Total : 1.83 acres				

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Jind Circle, PWD (B & R Branch), Jind.